बी. ए. पार्ट – II

1. राजस्थानी

परीक्षा योजना

दो प्रश्न पत्र	न्यूनतम उत्तीर्णांक – 72	अधिकतम अंक – 200
प्रथम प्रश्न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक 100
द्वितीय प्रश्न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक 100

प्रथम प्रश्न पत्र – मध्यकालीन राजस्थानी काव्य

समय – 3 घंटे पूर्णांक – 100

पाठ्यपुस्तकें

1. नागदमण सायांजी झूला (सं.) मूलचंद प्राणेश
2. राजिया रा दूहा किरपाराम (सं.) नरोत्तमदास स्वामी

विशिष्ट अध्ययन

1. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य का इतिहास –
   काव्यगत प्रवृत्तियां – भक्ति एवं नीतिपरक साहित्य – प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार ।
2. विविध काव्यरूपों का परिचय ।

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

इकाई 1. भाग 'अ' अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न, सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समाहित किए हुए – कोई आंतरिक विकल्प नहीं । (10 प्रश्न : शब्द सीमा 15 शब्द अधिकतम)

1 × 10 = 10 अंक

भाग 'ब' दो लघुत्तरात्मक प्रश्न–दोनों पाठ्यपुस्तकों में से एक–एक प्रश्न–कोई आंतरिक विकल्प नहीं । (2 प्रश्नः शब्द सीमा 100 शब्द प्रत्येक प्रश्न)

2 × 5 = 10 अंक

इकाई 2. कुल चार व्याख्याएं – दोनों पाठ्यपुस्तकों पर आधारित ।

दो व्याख्याएं नागदमण में से आंतरिक विकल्प सहित

दो व्याख्याएं राजिया रा दूहा में से आंतरिक विकल्प सहित 4 × 5 = 20 अंक

©MGSU, Bikaner

इकाई 3. नागदमण से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित

(अधिकतम शब्द सीमा 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 4. राजिया रा दूहा से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 5. भाग 'अ' मध्यकालीन राजस्थानी काव्य : विकास एवं परम्परा, भक्ति एवं नीति

साहित्य : प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार, एक परिचायात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित

(अधिकतम शब्द सीमा 200 शब्द) 10 अंक

भाग 'ब' विविध काव्य रूप : महाकाव्य, खण्डकाव्य, मुक्तककाव्य : परिचायात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित (अधिकतम शब्द सीमा 200 शब्द) 10 अंक

पाठ्यपुस्तकें :–

1. नागदमण : सायांजी झूला : (सम्पादक) मूलचंद प्राणेश ।
   प्रकाशक : भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर ।
2. राजिया रा दूहा : किरपाराम : (सम्पादक) नरोत्तमदास स्वामी ।
   प्रकाशक : सस्ता साहित्य मण्डल, बीकानेर

©MGSU, Bikaner

द्वितीय प्रश्न पत्र – मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

समय – 3 घंटे पूर्णांक – 100

पाठ्यपुस्तकें एवं अध्ययन क्षेत्र

1. राजस्थानी वात संग्रह (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा
   (वात संख्याः 2, 7, 15, 20, 21, 23, 26, 29, 32, 33, 35, 36, 37, 44, 46, 48 केवल)
   कहानियों के नाम –

   (2.सातल सोम री वात, 7. जैसे सरवहीयै री वात, 15. हाडै सूरजमल नाराइणदासोत री वात, 20. पाबूजी राठौड़ री वात, 21. जगदेव पंवार री वात, 23. रेसांमियै री वात, 29 सयणी चारणी री वात, 32. जसमां ओडण री वात, 33. ऊमादे भटियाणी री वात, 35. राजा भोज, माघ पिंडत अर डोकरी री वात, 36. नाहरी हरणी धरमेकै री वात, 37. सांखलै कंवरसी नै भरमल री वात, 44. बीजण बीजोगण री वात, 46. देपाळ घंघ री वात, 48. अकल री वात ।)

2. कहवाट विलास : (सं.) डॉ. सौभाग्यसिंह शेखावत एवं देव कोठारी

विशिष्ट अध्ययन

1. मध्यकालीन राजस्थानी गद्य साहित्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा ।
2. मध्यकालीन राजस्थानी गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय ।

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

इकाई 1. भाग 'अ' अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न, सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समाहित करते हुए – कोई आंतरिक विकल्प नहीं (10 प्रश्न : शब्द सीमा 15 शब्द अधिकतम)

$1 \times 10 = 10$ अंक

भाग 'ब' लघुत्तरात्मक प्रश्न–दोनों पाठ्यपुस्तकों में से एक–एक प्रश्न कोई आंतरिक विकल्प नहीं । (2 प्रश्न शब्द सीमा 100 शब्द प्रत्येक प्रश्न) $2 \times 5 = 10$ अंक

इकाई 2. कुल चार व्याख्याएं – पाठ्यपुस्तकों पर आधारित दो व्याख्याएं (राजस्थानी वात संग्रह) आंतरिक विकल्प सहित, दो व्याख्याएं (कहवाट विलास) आंतरिक विकल्प

©MGSU, Bikaner

सहित ।

4 × 5 = 20 अंक

इकाई 3. राजस्थानी वात संग्रह पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित (अधिकतम शब्द सीमा 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 4. 'कहवाट विलास' पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित (अधिकतम शब्द सीमा 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 5. भाग 'अ' मध्यकालीन गद्य साहित्य : विकास एवं परम्परा, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित (अधिकतम शब्द सीमा 200 शब्द)

1 × = 10 अंक

भाग 'ब' मध्यकालीन गद्य विधाएं – परिचायत्मक प्रश्न (वात, ख्यात, दवावैत, वचनिका, टब्बा, टीका, टिप्पण, वंशावली आदि)

1 × = 10 अंक

<u>पाठ्यपुस्तकें :–</u>

1. राजस्थानी वात संग्रह : डॉ. मनोहर शर्मा
   प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ।
   (वात संख्या : 2, 7, 15, 20, 21, 23, 26, 29, 32, 33, 35, 36, 37, 44, 46 तथा 48)
2. कहवाट विलास : सौभाग्य सिंह शेखावत एवं डॉ. देव कोठारी
   प्रकशक : साहित्य संस्थान, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर ।

<u>अभिप्रस्तावित ग्रंथ :–</u>

1. राजस्थानी गद्य साहित्य : उद्‌भव और विकास : डॉ. शिवस्व शर्मा
2. राजस्थानी काव्य की गौरवपूर्ण परम्परा : अगरचंद नाहटा
3. परम्परा (शोध पत्रिका) : राजस्थानी मध्यकाल विशेषांक, प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर ।
   राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. कल्याणसिंह शेखावत

©MGSU, Bikaner